

भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 13
(दिनांक 21.06.2019 को उत्तर देने के लिए)

रेडियो सुनने वालों और दूरदर्शन श्रोताओं से फीडबैक

13. श्रीमती राम्या हरिदास:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या मंत्रालय ने रेडियो सुनने वालों और दूरदर्शन श्रोताओं सहित अन्य अंशधारकों से फीडबैक प्राप्त और विश्लेषण हेतु कोई तंत्र स्थापित किया है;
- (ख) क्या मंत्रालय ने विगत तीन वर्षों के दौरान आकाशवाणी और दूरदर्शन में कार्य संस्कृति के स्तर को बढ़ाकर सेवा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कोई विशेष प्रयास किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
- (ग) क्या ऐसे प्रयासों का कोई प्रभाव आंकलन किया गया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष/परिणाम क्या रहे?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा सूचना और प्रसारण मंत्री
(श्री प्रकाश जावड़ेकर)

(क): प्रसार भारती ने सूचित किया है कि दूरदर्शन के पास पत्रों, ई-मेल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से प्राप्त एक फीडबैक तंत्र है, जिसकी प्रसारण दर्शक अनुसंधान परिषद (बीएआरसी) के माध्यम से उपलब्ध दर्शकगण आंकड़ों से पुष्टि की जाती है।

आकाशवाणी के पास 46 दर्शक अनुसंधान इकाइयों का नेटवर्क है जो नियमित रूप से निर्माताओं को योजना, रूप-रेखा और लक्षित दर्शकों की आवश्यकताओं, रुचियों व आकांक्षाओं के अनुसार कार्यक्रमों के संशोधन के लिए फीडबैक प्रदान करता है।

(ख) एवं (ग): प्रसार भारती (क) नेशनल अकादमी ऑफ ब्रॉडकास्टिंग एंड मल्टीमीडिया (एनएबीएम), दिल्ली व इसके 8 क्षेत्रीय केंद्रों में प्रशिक्षण प्रदान करके (ख) भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) में प्रशिक्षण (ग) सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस), गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), विधिक सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग प्रणाली (एलआईएमबीएस) आदि के माध्यम से कार्य के ई-प्रणाली की जानकारी और (घ) निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार अधिकारियों व कर्मचारियों की पदोन्नति करने सहित विभिन्न संस्थागत कार्य-प्रणालियों के माध्यम से कर्मचारियों की समग्र क्षमताओं में सुधार के लिए नियमित रूप से प्रयास करता है।
